५०१/२३५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १६ जून, २०१३)

(समय : सुबह ९:०० से ११:१५)

सत्संग परिचय - १

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : सहजानंद चरित्र - द्वितीय संस्करण, मार्च - २००९

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''न खाते हैं, न पीते हैं । अरे आप आनन्द मनाते रहिए और हमें भी आनन्दमग्न रखिए ।'' (१५९)

२. ''अब तो हमारे बैठने की डाली ही कट गई ।'' (२५)

३. ''इससे वे ब्राह्मणों को वास्तविकता से अवगत करा सके और कुप्रचार रुक जाए ।'' (१२०)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. श्रीजीमहाराज ने गुणातीतानंद स्वामी को कम्बल ओढ़ा दिया । (१२८)

२. श्रीजीमहाराज ने सदाव्रत देनेवाले संतों को आदेशपत्र लिखा । (२२)

३. संतों-हरिभक्तों के सिर पर मानो बिजली गिरी । (१६४)

प्र.३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) [५]

१. सूरत में पधरावनी । (१३०-१३३) २. गुण ग्रहण की प्रेरणा । (१५३-१५४) ३. वेदान्ताचार्य की पराजय । (१०१-१०२)

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. जेतलपुर के यज्ञ के बाद किस के पिताजी की मृत्यु हुई ? (५७)

२. सौराष्ट्र में श्रीहरि ने सर्वप्रथम कहाँ मंदिरनिर्माण का संकल्प किया ? (१३९)

३. गढ़पुर के बाई हरिभक्तों ने श्रीहरि को क्यों विचरण करने जाने के लिए मना की ? (३४)

४. राठोड धाधल के वहाँ कोन बिलोना करते थे ? (७७)

५. श्रीहरि ने कालवाणी में एक साथ कितने संतों को किसका त्याग करवाया ? (४३)

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [४]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. श्रीजीमहाराज ने कही हुई गुणातीतानंद स्वामी की महिमा । (८३, १४७, ६८)

(१) ☐ राठोड धांधल का घर (२) ☐ गढ़डा

(३) ☐ भादरण (४) ☐ डभाण

२. श्रीजीमहाराज ने ..... मंदिर में ..... देव की मूर्तिप्रतिष्ठा की । (१४६, १२७, १२२)

(१) ☐ धोलेरा - मदनमोहन (२) ☐ भूज - नरनारायण

(३) ☐ गढ़डा - लक्ष्मीनारायण (४) ☐ अहमदाबाद - नरनारायण

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । [४]

१. श्रीहरि ने प्रसन्न होकर कहा नाम भले ही ..... है, पर सेठ हैं तो बड़े ..... । (१४०)

२. ..... का हाथ गाजर के तीखे अचार में पड़ा । (५२)

३. ..... ने शिला को छुआ उसी पल शिला खिसकती हुई तालाब के किनारे पर अटक गई । (१४)

४. श्रीजीमहाराज का वेद ..... हैं और गौत्र ..... हैं । (१२०)

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-२ - प्रथम संस्करण, जुलाई - २०००

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''आज मै धाम में जा रहा हूँ ।'' (२८)

२. ''तुम्हारी प्रतीक्षा में बैठा हूँ ।'' (७२)

३. ''आपकी सेवा महाराज की सेवा है, ऐसा मैं समझता हूँ ।'' (३४)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [४]

१. धुनिया को सन्तान की कमी पूरी हो गई । (११)

२. वजेसिंह बापू दादाखाचर को कुछ बोल नहीं सके । (४१)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग परिचय-१**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.९ सच्चे उपासक नित्यानंद स्वामी । (४-५) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [४]

१. कृष्णजीभाई का जन्म कब हुआ था ? (तिथि, संवत्) (६५)

२. नित्यानंद स्वामी ने आचार्य महाराज को क्या सुझाव दिया था ? (८)

३. श्रीजीमहाराज ने कहा अपना घर माना था ? (४५)

४. 'वन्दु सहजानन्द.....' पद के अनुसार कोई परमात्मा का ध्यान करे तो वो किस से मुक्त हो सकता है ? (१४)

प्र.११ निम्नलिखित विषय के सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । [६]

विषय : भक्तरत्न लाडुबा ने मनाया हुआ अन्नकूट उत्सव । (४६)

१. श्रीजीमहाराज ने कहा, ''शुक्ल पक्ष के उत्सवों की व्यवस्था लाडुबा करें और कृष्ण पक्ष के उत्सवों की व्यवस्था जीवुबा करें ।'' **२.** जीवुबा ने लाडुबा के पास आकर विनती की ''बहन, कृष्ण पक्ष का अन्नकूट उत्सव मुझे करने दो ।'' **३.** ''महाराज ! हम नदी के किनारे की झोपड़ी में रहने लगेंगे ।'' **४.** लाडुबा ने विनम्रता से पूछा, ''महाराज ! कृष्ण अवतार में आपको कौन खिलाता था ? कौन नहलाता था ?'' **५.** भक्तिमाता ने कहा, ''तो मैं भी अपने पुत्र श्रीजीमहाराज के साथ यहा रहूँगी ।'' **६.** भक्तिमाता ने कहा, ''मैं पतिव्रता हूँ, यदि तुम धर्म-नियम का पालन सुन्दर रीति से करो तो मैं यहाँ रह सकती हूँ ।'' **७.** लाडुबा ने समझाया, ''शास्त्र के अनुसार अन्नकूट दिवाली का ही एक भाग हैं ।'' **८.** लाडुबा ने उस भैंस को महाराज के कथनानुसार घर में रखकर, पानी, चारा देना प्रारंभ किया । **९.** अगले दिन महिलाओं ने सभा की तो अचानक कमरे में प्रकाश फैल गया । **१०.** लाडुबा ने कठिन परिश्रम किया और अपनी सखियों की सहायता से स्वादिष्ट अन्नकूट तैयार किया । **११.** श्रीजीमहाराज ने दरबार में वासुदेव नारायण की मूर्ति स्थापित की । **१२.** वह सुनकर महिलाओं ने कहा, ''हम धर्म-नियम का पालन करेंगे ।''

(१) केवल सही क्रमांक ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे ।(२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । [४]

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : विद्यावारिधि सद्गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी : सन् १८७२ में मार्गशीर्ष शुक्ला नवमी की रात को नित्यानन्द स्वामी ने अहमदाबाद में आचार्यश्री अयोध्याप्रसादजी महाराज, गुणातीतानन्द स्वामी, परमचैत्यानन्द स्वामी, कृपानन्दजी के दर्शन करते करते कारण देह का त्याग किया ।

उत्तर : विद्यावारिधि सद्गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी : सवंत् १९०८ मार्गशीर्ष शुक्ला अष्टमी के दिन नित्यानन्द स्वामी ने आचार्यश्री रघुवीरजी महाराज, गोपालानन्द स्वामी, शुकमुनि, शून्यातीतानंदजी आदि सन्तों के देखते - देखते उन्होंने अपनी नश्वर देह वरताल में छोड़ दी ।

१. **श्रीकृष्णजी अदा :** शास्त्रीजी महाराज वरताल में रहने के समय जो भी उनके समागम के लिए आता उससे कहते जूनागढ़ जाकर कृष्णजी अदा के दर्शन करो । (६९)

२. **प्रेमसखी प्रेमानंद स्वामी :** कार्तिक मास की नियम की एकादशी को प्रेमानंद स्वामी ने खड़े होकर कहा, ''प्रतिदिन आपकी मूर्ति के चार पद रचने का नियम लेता हूँ ।'' (१३)

३. **मुकुन्दानंद वर्णी (मूलजी ब्रह्मचारी) :** श्रीजीमहाराज गोपीनाथ के कमरे में सभा को सम्बोधित कर रहे थे । यहाँ घोषणा की कि जो भी सोता पाया जाएगा उसे जूता मारकर जगाया जाएगा । (२४)

४. **भक्तराज दादाखाचर :** श्रीजीमहाराज ने भटवदर के दरबार नागपाल वरु की पुत्री करणीबा के साथ दादाखाचर का विवाह करवाया । कुछ वर्ष के पश्चात् उनको दो पुत्र हुए - जीवा खाचर और अमरा खाचर । (४३)

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । [१०]

१. चरित्र : मनुष्य का अमूल्य आभूषण । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - सितम्बर - २०१२)

२. संयम द्वारा भगवान का साक्षात्कार । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - नवम्बर - २०१२)

३. शिक्षा मंदिरों का वास्तविक घंटनाद । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - अक्टूबर - २०१२)

❊ ❊ ❊

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ७ जुलाई, २०१३ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm